

ज़कात के दो प्रकार हैं:

नफ़ल: यह प्रत्येक वह धन है जिसे व्यक्ति केवल इबादत के रूप में निकालता है

फ़र्ज़:

इस के दो प्रकार हैं:

शरीर की ज़कात:

इस से अभिप्राय ज़कात -ए- फ़ित्र है। तथा यह प्रत्येक मुसलमान पर अनिवार्य है, चाहे वह बड़ा हो अथवा छोटा, महिला हो अथवा पुरुष, दास हो अथवा स्वतंत्र।

धन की ज़कात:

शरीअत के अनुसार इस की परिभाषा है: (यह अल्लाह की इबादत के रूप में किसी विशेष धन का एक अनिवार्य हिस्सा किसी विशेष समूह या स्थान क लिए निकाला जाता है)। यह इस्लाम के अरकान (स्तंभों) में से तीसरा स्तंभ है, तथा

इसके चार प्रकार हैं:

1

नकदी:



सोना एवं चांदी और उनके स्थान पर उपयोग की जाने वाली मुद्राएं और अन्य चीजें। सोने का निसाब 20 मिसकाल (85 ग्राम) तथा चांदी का निसाब 200 दिरहम (595 ग्राम) है।

4

व्यापारिक वस्तुएं:



वे वस्तुएं जो बिक्री और खरीद के लिए तैयार की जाती हैं।

3

भूमि से उत्पन्न फसलें:



इसमें अनाज और फल शामिल हैं।

2

पालतू जानवर:



वे जानवर जो साल के अधिकतर समय अथवा पूरे साल ही बाहर चरते हैं। इसमें ऊंट, गाय, और भेड़-बकरियां शामिल हैं।

ज़कात के पात्र लोग

ये वो लोग हैं जिनके पास आधी या उससे अधिक जरूरतें पूरी करने के साधन हों, किंतु पूरी जरूरत नहीं पूरी कर सकते हों। उदाहरण स्वरूप यदि हम मान लें कि किसी की साल भर की जरूरत 150000 रुपया है तो फ़क़ीर वह है जिस के पास 125000 से कम हो अथवा कुछ भी न हो, तथा मिस्कीन वह है जिसके पास 125000 अथवा इस से अधिक हो परंतु वह उसकी जरूरत की पूर्ति के लिए अपर्याप्त हो।

मिस्कीन 2

ये वो लोग हैं जिनके पास कुछ भी न हो अथवा आवश्यकता से बहुत कम हो।

फ़क़ीर 1

ये वो लोग हैं जो ज़कात इकट्ठा करने और बांटने का काम करते हैं। इनका निर्धारण शासक करेगा तथा ज़कात का धन लेने के लिए इनका फ़क़ीर होना शर्त नहीं है, बल्कि उन्हें मालदार होने क बावजूद दिया जाएगा।

ज़कात के कार्यकर्ता 3

ये वो लोग हैं जिन के इस्लाम स्वीकार करने की आशा की जाती है, अथवा उन की दुष्टता से बचना उद्देश्य हो या उनके ईमान को सशक्त करना हो।

दिल जोड़ने हेतु 4

इस में गाज़ी लोग तथा उनकी आवश्यकता की वस्तुएं शामिल हैं, जैसे हथियार इत्यादि

अल्लाह के रास्ते में 7

ये निम्न लोग हैं: (क) वह मुसलमान दास जिस ने अपने स्वामी से स्वतंत्रता की कीमत तय कर रखी हो (ख) मुसलमान दास को स्वतंत्र कराना (ग) मुसलमान कैदी को छुड़ाना

दास स्वतंत्र करने हेतु 5

वे यात्री जिनका धन यात्रा के दौरान समाप्त हो गया, अतः उसे ज़कात के पैसे से उतना दिया जाएगा जो उसके घर तक जाने के लिए पर्याप्त हो।

यात्री 8

ये निम्न लोग हैं: (क) लोगों के बीच सुधार कराने के लिए कर्ज़ लेने वाला (ख) अपनी खातिर कर्ज़ लेने वाला

कर्ज़ के बोझ तले दबे हुए लोग 6